KERALA SCHOOL KALOLSAVAM 2016-17

KANNUR - 2017 JANUARY 16-22

Code No. 639

आखों की गहराई में भी छिपा है धोखा

२० जनवरी 2016, मुंबई में जो हुआ वो सब के लिए चौंका देनेवाला बात है। मुंबई नगर में एक लड़की को शरीर मिल गई है जो पूरी तरह से खून में भरा हुआ था। पुलिस की जानकारी की मुताबिक लड़की को किसी ने बुरी तरह बलात्कार किया है और मरने की वजह भी बलात्कार करने से हुआ चोटों की कारण है। इस का अनजाम जाने के लिए कुछ दिन पीछा जाना है।

बाहरी दिल्ली के काझावाला थाने के निजामपुर गाँव में रहने वाला योगेश अग्निहोत्री एक शरीफ और ईमानदार आदमी था। उनका पत्नी का नाम था, अन्नपूर्णा अग्निहोत्री। इसका दो बच्चे था, एक बेटा और एक बेटी। बेटा का नाम पियुश अग्निहोत्री और बेटी पायल अग्निहोत्री था

639

योगेश अग्निहोत्री गाँव का एक प्रमुख जानेवाला व्यक्ति था। वह एक अध्यापक था। गाँववाले उसका बहुत इज्जत करते थे। योगेश की दोनों बच्चे भी बहुत अच्छा बच्चे थे। दोनों बड़े की आदर बहुत शरीफ से करते थे। योगेश अपने बच्चों को सस्कारों की मूल्य बताते हुए बड़े कर दिया था। पायल बहुत अच्छा गाना था। उसकी आवाज़ बहुत सुरीली थी। पियुश अपना उपरिपढ़न करने के लिए अमरिका गया था। पियुश का विदा से ही पूरे घरवाला दुख में था।

जैसी में पायल अपनी बारवी कक्षा की पढ़ाई समाप्त कर दिया था। पायल की एक इच्छा था कि वो एक बहुत बड़ा कलाकारी बने अपने इस सुरीली आवाज़ के साथ। मगर वो लोग गाँव में रहती थी तो वहाँ जैसा उभरता हुआ सितारों के लिए कोई जगह नहीं था। सब लोग ने योगेश को कहाँ कि पायल को कोई शहर मे भेजते। पर योगेश को वह पसंद नहीं था।

तब योगेश की साला अभिषेक त्रिपाठी वहाँ आया। उन्हे जब पायल की बात पता चल गया तो वो योगेश से कहा की वह मुंबई की सबसे बड़ी म्युस्कि आकदमी 'स्पेस आकादमी' में

KERALA SCHOOL KALOLSAVAM-2017
639
PROGRAMME COMMITTEE

सेक्यूरिटी का काम कर रहा है और वो पायल का प्रवेश वहाँ कर सकती है। अभिषेक पायल को एक पुत्री की तरह देखूँगा। ऐसी विश्वास के साथ पायल की खातिर योगेश ने पायल को मुंबई भेजने का निर्णय लिया। पायल तो खुशी में सब को भागते हुए यह बात बताने लगा। अन्नपूर्णा को भी अपनी पुत्री को अपने से दूर रखना पसंद नहीं था। फिर भी अपनी बच्ची की खुशी की खातिर वो भी योगेश की इस निर्णय से सहमत हो गया।

पायल अपनी नई ज़िंदगी का ख्वाब देखने शुरू किया था। पायल, अभिषेक के साथ मुंबई आ गई और उसे एक हॉस्टल में प्रवेश करवाया। क्योंकि अभिषेक अपने घर मे अकेला था, कुछ परिस्थितियाँ की कारण वह शादी नहीं की थी

पायल ने अपना पहला कदम स्पेस अकादमी में बहुत उम्मीदों के साथ रख ली। ऐसे में उसकी नज़र एक दृश्य पर लगने लगा। पाँच बच्चों ने किसी एक बच्चे के ऊपर पानी भेग रहा है। यह देखकर पायल उन लोगों के पास जाने लगा। क्योंकि पायल ऐसी लड़की थी जो कभी अन्याय को नहीं देख सकता था। तब अभिषेक ने

KERALA SCHOOL KALOLSAVAM-2017 639 PROGRAMME COMMITTEE

उन लोगो के पास जाने से पायल को साफ मना किया। अभिषेक ने बताया की वो पाँच लोग इस कॉलेज की पाँच लफँगा है नाम था। माणिक मलहोत्रा (मुख्य), आलिया चौधरी, मुक्ति राठोड, देव गुप्ता और कबीर कुंदेला। साथ मे वो लोग 'फाब-5' के नाम से जानता था है। इस शहर की सबसे जानेवाला गैंग है फाब-5। कोई भी उसके साथ मुकाबला नही जीत पाई है। वैसे होने के खातिर ये लोग यहा अपना मनमर्ज़िया करते है। ना ही कोई पूछनेवाला और ना ही कोई इन लोगो के खिलाफ लडने वाला। सब इन लोगो से डरती अभिषेक ने पायल से कहाँ की वो कभी भी फाब-5 से लडने मत जाना। और कहाँ की उनकी माँ-बाँपु उसे बहुत उम्मीदो के साथ यहाँ भेजा है। उस उम्मीद को कभी गिरने मत देना। यह सब सुनकर पायल चुप रहने ही अच्छा है ऐसे समझ लिया।

एक दिन कॉलेज की मुख्य-अद्यापक ने कॉलेज की एक प्रतियोगिता होने के बारे में सभी को बताया। और यह भी कहाँ कि जिस ने भी इस प्रतियोगिता में भाग लेना है तो कृपया अपना नाम दे दिजिए।

KERALA S... PROGRAMME COMMITTEE ...VAM-2017

नाम नहीं देता था। सिर्फ 'फाब -5' ही इस प्रतियोगिता में भाग लेता था। पर पायल ने यह जानकर भी प्रतियोगिता के लिए अपना नाम दे दी। सब के लिए चौंका देनेवाला बात था यह। जब 'फाब -5' को यह बात पता चला तो वो उसे मिलने आ गया और धमकी दी की वो अपना नाम वापस कर लें। पर पायल उन लोगों को नाम वापस नहीं दिया। पायल ने फाब -5' से कहाँ की तुम लोग डरते है इसलिए दूसरे की साथ मुखाबला नहीं कर रही है। यह सुनकर फाब -5 ने पायल को इस प्रतियोगिता मे भाग लेने की सहमति दे दी और कहाँ की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए उस ग्रूप बनाना पड़ती है। और अकेले वो इसमे नहीं भाग ले सकती है।

पायल ने सब को उसकी ग्रूप मे प्रवेश करने के लिए पुछा, पर सब ने मना कर दिया। तभी तीन लोग पायल के पास आ गई और कहाँ की वो लोग पायल के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए तैयार है। दो लड़के और एक लड़की थी। उन दोनों लड़कों में से एक

639

के सिर पर ही फाब-5 ने पानी फेंक रही थी। उन लोगों का नाम था। रिया गौर, साहिर राजवंशी और श्लोक सिंघानिया। श्लोक की ऊपर ही वो लोग पानी डाल रही थे। अभिषेक को जब यह बात पता चल गया तो उसने मना कर लिया। पर पायल ने उसे हाँ कहने के लिए मजबूर किया। उन लोगो ने अपना ग्रुप का नाम "रैसिंग ड्रीमस" रख ली।

योगेश और अन्नपूर्णा यह सब बातो से अनजान था। प्रतियोगिता हुई और उसका विजयता का नाम सुनकर सब हैरान हो गई। विजयी था रैसिंग ड्रीमस। यह सुनकर फाब-5 को बहुत गुस्सा आ गया और रैसिंग ड्रीमस को बहुत खुशी हो गई।

'रैसिंग ड्रीमस' शहर मे जाने लगा और उन्हे कई सारी आलबम भी मिली। इन सब बीच मे पायल को लगा रहा की कोई उसका पीछा कर रहा है। किसी का प्यासी पत्थराई आखें उसका पीछा है। यह बात जब उसने रिया को कहा तो वो कहा की वह उसकी भ्रम है। पायल भी यह बात चलने दिया।

पायल ने यह सब बात अपने माँ बापू से कहा और वो बहुत खुश हो गई। पायल ने यह भी कहा की मामा अभिषेक उसकी बहुत मदद कर रही है साथ वो कुछ पैसे भी भेजा जो

जो उसे आलबम कराने से मिला था।

समय की गति मे साहिर और पायल की बीच प्यार बढ़ने लगा। यह बात सब को पता चला (कॉलेज में). अभिषेक को भी पता चला। पर वो उसे कुछ नही कहाँ। अभिषेक ~~के~~ ~~[illegible]~~ ने कहाँ की वो योगेश से बात करेगी। पायल बहुत खुश हो गई।

फाब-5 अनेक प्रकार से 'रैसिंग ड्रीमस' को नुकसान पहुँचाने की कोशिश की पर असफल रहा। एक दिन सब को हैरान करते हुए ~~एक~~ संभव हुआ। साहिर की मौत हो गई। किसी ने उसे ~~[illegible]~~ चाकू से मारा है। उसकी शरीर कॉलेज की पीछे की उद्यान मे मिला। यह सुनकर रिया, श्लोक और पायल हैरान हो गई थी। पायल तो पूरी तरह टूट चुका था। ~~[illegible]~~ ~~[illegible]~~ ~~[illegible]~~ पुलीस कॉलेज में आ गई और जानकारी लेना शुरु किया। अभिषेक ने पायल को शांत रहने के लिए कहा। और उसे आश्वास दे दी

वो तीनो मित्र भी अपने ग्यैंग को टूटने नही दिया। सब ~~के लिए~~ को साहिर के मौत पर फाब-5 पर ही शक था। खास कर के पायल को।

पायल जब कॉलेज की ऊपरी ~~[illegible]~~ ~~[illegible]~~ टेरस में था। तो उसे ~~लगा~~ लग रही थी की कोई तो उसकी पीछा कर रही है। जब उसने ~~[illegible]~~ कर

(7)

KERALA SCHOOL KALOLSAVAM-2017
639
PROGRAMME COMMITTEE

आसपास देखा तो उसने किसी को देखा पर सिर्फ उसका आखे. उस आखो मे प्यास था, उस आखों में किसी को हासिल करने की ~~तीव~~ तीव्रता था। पायल ~~घर~~ घबराते हुए जलद ही नीचे आ गई।

साहिर की विदा होने से पायल बहुत अकेलापन महसूस कर रहा था तब ही उसे पता चला की रिया एक दुर्घटना से मर गया। यह बात पायल के लिए एक चौंका था। ~~फि~~ पायल और श्लोक को बहुत दुख हुआ और उन लोगों का रैसिंग ड्रीमस टूट गया था। पायल को यह दुर्घटना एक साधारन दुर्घटना नही लग रहा था। और उसने पुलिस को यह बात कह दी और यह भी कह दी की फाब-5 पर उसको शंक है क्योंकि उन लोगों की रैसिंग टूटना देखने के लिए फाब-5 बहुत ~~अ.~~ उत्साहित थे। सब को पायल की बात पर विश्वास था क्योंकि फाब-5 ही ऐसी कार्य कर सकता था। पर सबूत ना होने के कारण फाब-5 को पुलिस ने गिरफ्तार नही किया।

पायल ने अभिषेक को कोई उसका पीछा करने की यह बात कह दी। पर अभिषेक ने भी उसे कहा की वह सिर्फ उसकी भ्रम है।

639 PROGRAMME COMMITTEE

मेले मे तीसरा चौंका देनेवाला बात हुआ ~~थी~~। वो था श्लोक का मृत्यु। पता नही किस तरह से हुआ पर जरूर किसी ने उसे ~~मारता~~ मारा है। पायल ~~फिर~~ पूरी तरह से टूट गया। वो बिलकुल अकेला पड़ गया। उसे फिर से यह लगने रहा की कोई उसका पीछा कर रहा है। जब पायल कॉलेज की नीचे वाली कमरे मे वीणा लेने गया तो ~~उस~~ अचानक उसे उसके पीछे कोई खड़ा होने की अहसास हुआ ~~था~~। पायल ने जब देखा तो कोई नही था। अचानक कमरे ~~को~~ अंधेरा पड़ने लगा। किसी ने स्वीच बंद किया था। पायल घबराना शुरू किया। और वहाँ से निकलने का तय किया। तो अचानक से दो आखें उसे उसे दिखाई ~~दिया~~ दिया। ~~अंधेरा~~ अंधेरे से वजह ~~है~~ से उसे कुछ और नही दिखाई दे रही थी। उस आखों को देखकर पायल पीछे ~~a~~ जाना शुरू किया। वो वही आखे ~~थी~~ ~~a~~ था जो उसने पहले देखा था। वही प्यासी, वही पत्थराई, ~~वही आख~~ सब था उस आखों मे। पायल कितना पीछा जा रहा था। वह ~~आखे~~ उसका खयल आने लगा। अचानक से उसे दरवाज़ा नज़र आया और वो भाग के कमरे के बाहर आ गया।

वो एक नही रही थी। वो भाग रहा था। भागते भागते वो अभिषेक के पास आ गया ~~श~~। अभिषेक ने उसे पूछा की क्या हुआ। उसने सब कुछ बता दिया। पर अभिषेक ने कहा ऐसा कुछ भी नही है। और उनकी दोस्तो की मृत्यु होने पर उसे ऐसे लग रहा है। पायल भी ~~और~~ सोचा की शायद वही हो सच। अभिषेक ने उसे कॉलेज की पीछे वाला दरवाजे की तरह ले गयो क्योंकि कॉलेज में एक कलोत्सव हो रहा था। कॉलेज की बाहर होते ही जब पायल ने अभिषेक को देखा तब पायल ने अभिषेक की ~~आ~~ आखों मे देखा। पायल को वही प्यासी पत्थराई आखे अभिषेक मे देखा। उसे ~~समझ आ गया~~ समझ आ गया की अभिषेक ही वो आदमी है। पायल जब उससे पूछा तो। अभिषेक ने बता दिया की वही वो आदमी है।

वो सिर्फ उसकी पीछा नही बल्कि श्लोक, रिया और साहिर को भी इसने मारा है। पायल हैरान हो गई यह सुनकर अभिषेक ने कहा की उसे हासिल करने के लिए वो कुछ भी करेगा। और कोई भी उसे चुना और देखना उसे पसंद नही है। वो सिर्फ और सिर्फ उसका है।

पायल भागने की कोशिश की। पर अभिषेक

KERALA SCHOOL KALOLSAVAM-2017
639
PROGRAMME COMMITTEE

639

ने उसे पकडा और उसकी सिर पर मारा।
वो बेहोश हो गई और अभिषेक ने
पायल को बलात्कार ~~कर~~ कर दिया। और जब
अभिषेक को पता चला की पायल मर गई है
तो उसने उसको बार बार पूरा शरीर पर
चाकू से मारा और फेंक दिया। ~~यह सब~~ कावेरी
~~बेटी~~ ने पायल को फेंकना देख लिया और
उसको बचाने की कोशिश की पर उसकी मौत
तो पहले ही हुआ था।

पुलीस ने अभिषेक को गिरफ्तार कर ली।
~~फांसी कर~~ ~~दिया~~ ~~की~~ ~~लि~~ और पूरा आयु ~~को~~ उसको
कैदखाने मे रहना पड़ा। ~~यह सब बात~~ अपनी
बेटी की मृत्यु की बात सुनकर योगेश और
अन्नपूर्णा टूट गया। और तुरंत मुंबई निकल आ
या। पर रास्ते में ही योगेश ~~ने अपने अंतिम सांस~~
की मृत्यु हो गई। उसका रक्तचाप बढ़ होने से
ही उसका मृत्यु हो गया। और अपनी पुत्री को
एक अंतिम बार देखने बिना ही वो चला गया।

यह सब दुष्ट कार्य करने पर भी अभिषेक
के ~~आखों~~ आखो मे वही प्यासी, और कुछ हासिल
करने पर हुआ संतुष्टि थी। वही प्यासी पथराई आखें...
"पता नही हमारा बच्चों की पीछे कितना प्यासी पथराई आखें है।"